अज्ञान के अंधेरोंसे...

अज्ञान के अंधेरोंसे हमें ज्ञान के उजालों की ओर ले चलो
असत्य के दीवारोंसे हमें सत्य के शिवालों की ओर ले चलो
अज्ञान के अंधेरोंसे...

सारे जहाँ के सब दुखोंका एक ही तो निदान है
या तो वो अज्ञान अपना या तो वो अभिमान है
नफरतोंके जहरसे प्रेम के प्यालों की ओर ले चलो
अज्ञान के अंधेरोंसे...

अहम की मर्यादा न छोडे अपनी सीमा में रहें
ना करे अन्याय ना अन्याय औरों का सहे
कायरोंसे दूर हो वीर ह्दय वालों की ओर ले चलो
अज्ञान के अंधेरोंसे...